आर्टस् ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज, आष्टा

हिंदी विभाग

प्रा. विकास पाटील

कक्षा – तृतीय वर्ष

जन संचार

संचार

संचार के मूल मे चर धातु है, जिसका अर्थ है विचरण करना, एक जगह से दूसरी जगह पहुँचना। यह पहुँचना मनुष्य,प्राणियों, ध्वनि,चित्र, प्रकाश किसी का भी हो सकता है।परंतु हम जिस संचार की बात कर रहे है उसका अर्थ है- मानव के संदेशों को पहुँचाना, पहुँचाने से तात्पर्य है- संदेश भेजना और प्राप्त करना। यह संचार मुख से बोलकर, लिखकर तथा दृश्य-श्रव्य माध्यमों के सहारे होता है। इसलिए संचार की परिभाषा इस प्रकार की जा सकती है- सूचनाओं, विचारों, और भावनाओं को लिखित, मौखिक या दृश्य-श्रव्य माध्यमों के ज़रिए सफलतापूर्वक एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाना ही संचारहै।

संचार- माध्यम

संचार स्वयं एक प्रक्रिया है, एक जगह से दूसरी जगह पहुँचने की प्रक्रियायह प्रक्रिया प्रायः किसी प्राकृतिक माध्यम के सहारे गति करती है। संचार माध्यम से आशय है- वे उपकरण या साधन जो हमारे संदेश को पहुँचाते है।

जैसे समाचार पत्र, फिल्म,टेलिफोन,रेडियो,दूरदर्शन,इंटरनेट, आदि।

संदेश संचार प्रक्रिया

- **संचारकर्ता**

किसी संदेश को भेजने वाला संचारक या स्त्रोत कहलाता है ।
उसका प्रथम गुण है- संदेश की स्पष्टता
उसका दूसरा गुण है- संदेश को प्राप्तकर्ता के अनुकूल कूटीकृत करने की क्षमता ।

- **एन्कोडिंग**

संदेश को भेजने के लिए शब्दों ,संकेतों या ध्वनि चित्रों का उपयोग किया जाता है । भाषा भी एक प्रकार का कट चिह्न हैं । अत: प्राप्तकर्ता को समझाने योग्य कटों में संदेश को बाँधना कूटीकरण या एनकोडिंग कहलाती हैं ।

- **डिकोडिंग**

कूटीकरण की उल्टी प्रक्रिया कटवाचन कहलाती है । इसके माध्यम से संदेश का प्राप्तकर्ता कूट चिह्नों में बँधे संदेश समझता है । इसके लिए आवश्यक है कि प्राप्तकर्ता भी कोड का वही अर्थ समझता हो जो कि संचारक समझता है।

• प्राप्तकर्ता

संदेश का कूटवाचन होने के बाद वह प्राप्तकर्ता के पास पहुँचता है परंतु संचार प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की बाधा आ जाए तो उसे शोर कहते है ।

यह बाधा संचारक की ओर से या कूटीकरण या कूटवाचन किसी भी समय पर हो सकती है जिससे संचारक और प्राप्तिकर्ता के बीच मे संचार नही हो पाता।

• प्रतिक्रिया

कूटीकृत संदेश के पहुँचने पर प्राप्तकर्ता अपनी प्रतिक्रिया प्रकट करता है।

इसी से पता चलता है कि संचारक का संदेश प्राप्तकर्ता तक पहुँच गया है और ठीक-ठीक पहुँचा है।

संचार के विविध प्रकार

- **सांकेतिक संचार:**

संकेतों द्वारा संदेश पहुँचाना ,इनमे मनुष्य अपने अंगों का अथवा अन्य उपकरणों का प्रयोग करता है जैसे हाथ जोड़ना, पावं छूना, हाथ मिलाना आदि ।

- **मौखिक संचार:**

मुख द्वारा व्यक्त ध्वनियों के माध्यम से संदेश पहुँचाना जैसे टेलिफोन, बातचीत, भाषण देना आदि।

- **अमौखिक संचार:**

मौखिक संचार के अतिरिक्त अन्य सभी प्रकार के संचार साधन अमौखिक संचार कहलाते हैं जेसे : **सांकेतिक संचार** , लिखित संचार , **चित्र –फिल्म आदि द्वारा संचार ।**

- **अन्तः वैयक्तिक संचार**

  एक व्यक्ति का अपने आप से बातचीत करना अतः वैयक्तिक संचार है मनुष्य अकेला होने पर भी अपने आप से बातचीत करता है जैसे डायरी लेखन, आत्मपरक वैयक्तिक कविताओं से संचार करना ।

- **अंतर वैयक्तिक संचार**

  यह दो व्यक्तियों के बीच मे होता है जैसे दो मित्रों की बातचीत, माँ - बेटी की बातचीत या किसी परिचित-अपरिचित की बातचीत ।

- **समूह संचार**

  ज़ब एक व्यक्ति एक से अधिक व्यक्तियों से बात करता है वह समूह संचार होता है। इसमे जो भी व्यक्ति भाव प्रकट करता है वो समूह के लिए होना चहिए। कक्षा में पढ़ाना, किसी संस्था की बैठक, चर्चा या भाषण समूह संचार है।

- **जन संचार**

  जन संचार नई सभ्यता का शब्द है। जब से संचार में नई तकनीकें विकसित हुई है, तब से यह शब्द प्रयोग मे आया है। जब हम किसी समूह के साथ प्रत्यक्ष संवाद करने के बजाए किसी यांत्रिक माध्यम से संवाद स्थापित करते हैं, उसे जन संचार कहते ह। जैसे समाचार पत्र, रेडियो, फिल्म, दूरदर्शन आदि।

जन संचार की विशेषता

- **सार्वजनिकता**

इसमे संचारक और प्राप्तकर्ता के बीच में कोई सीधा संबंध नही होता। एक कार्यक्रम एक ही समय पर देश-विदेश मे लोग देख रहे होते हैं और सबकी उसमें रूचि सार्वजनिक महत्व के कारण होती है।

- **अत्यधिक व्यापकता**

जन संचार माध्यमों के व्यापकता की संभावना करोड़ों-अरबों तक हो सकती है। क्रिकेट का खेल हो, विशेष राजनीतिक-सामाजिक अवसर हों, इनका दर्शन करोड़ों लोग एक साथ करते है।

संचार

औपचारिक संगठन :

जन संचार के सभी माध्यम औपचारिक संगठन दवारा चलाए जाते है जैसे समाचार पत्र, रेडियो, दूरदर्शन आदि।

प्रतिक्रिया का अभाव:

जन संचार के माध्यमों से प्रकाशित या प्रसारित सामग्री की प्रतिक्रिया तुरंत नही मिलती, प्रायः विविध प्रकार के सर्वेक्षणों या श्रोताओं अथवा दर्शकों के पत्रों के माध्यम से ही इनकी लोकप्रियता या अरोचकता का ज्ञान होता है ।

प्रिंट माध्यम : समाचार और संपादकीय

- प्रिंट मीडिया का आशय है- छपाई वाले सचार माध्यम
- इसे मुद्रण माध्यम भी कह सकते है
- इसके कुछ निम्नलिखित रूप हैं-

❖ समाचार पत्र
❖ पत्रिकाएँ
❖ पुस्तकें
❖ इश्तिहार, आदि

समाचार पत्र के कुछ अवधारण

- जन संचार का सबसे पहला, महत्वपूर्ण तथा सर्वाधिक और विस्तृत माध्यम- समाचार पत्र और पत्रिका है ।

- समाचार पत्र का कार्य तीन भागों मे बाँटा है-
  - समाचारों को संकलित करना
  - संपादन करना
  - मुद्रण तथा प्रसारण करना

- पत्रकारिता शब्द का आरंभ समाचार पत्र और पत्रिकाओं से हुआ. आजकल रेडियो, दूरदर्शन तथा नेट-समाचार इसके अंतर्गत आता है ।

- समाचारों को संकलित करने वालों को सँववाददाताओं के नाम से जाना जाता है ।

- समाचारों को छापने योग्य बनाने वाले विभाग संपादकीय विभाग कहते है ।

- छापेखाने के आविष्कार का श्रेय जर्मनी के जोनिस गूटेनबर्ग को है ।

- हिन्दी का पहला समाचार पत्र 1826 मे पंडित जुगलकिशोर शुक्ला द्वारा कोलकाता से प्रकाशित किया गया ।

रेडियो और टेलीविजन के लाभ

- रेडियो :

- रेडियो जन संचार का सबसे सस्ता साधन है।
- इसके चलते फिरते आँख बंद करके भी आनंद लिया जा सकता है।

- टेलीविज़न :

- टेलीविज़न संचार के क्षेत्र मे सबसे लोकप्रिय साधन है ।
- इसके सहारे शब्द, ध्वनि, दृश्य तीनों के प्रभाव का सम्मिलित आनंद लिया जा सकता है।

समाचार लेखन

- समाचार किसी भी ऐसी ताज़ा घटना, विचार या समस्या की रिपोर्ट है जिसमें अधिक से अधिक लोगों की रूचि हो और जिसका अधिक से अधिक लोगों पर प्रभाव पड़ रहा हो।

समाचार के तत्वों का महत्व

- **नवीनता**

  समाचार का नया होना बहुत ज़रूरी है। प्रायः हर समाचार-पत्र के लिए पिछले 24 घंटे में घटी घटना ही समाचार बनती है। 24 घंटे से अधिक समाचार पुराना हो जाता है, इस प्रकार 24 घंटे की अवधि को हम डेडलाइन कह सकते है।

- **निकटता**

  समाचार के लिए आवश्यक है कि वह अपने पाठकों के ज़ीवन से निकटता से संबधित हो। कोई समाचार उसके पाठकों के स्थान, प्रांत, गली, जाति, धर्म,व्यवसाय आदि से जितनी करीब होगी उतना ही उसका महत्व होगा।

- **प्रभाव क्षेत्र**

  समाचार के लिए आवश्यक है कि वह समाज के बड़े वर्ग को प्रभावित करे, केवल 100-150 लोगों को प्रभावित करने वाले समाचार में किसी की रूचि नहीं होती।

- **जनरुचि**

समाचार पत्र जनरूचि के पारखी होते है, इसी कारण समाचार पत्र में खेल, फिल्म, राज़नीति आदि के समाचार होते हैं । हर समाचार पत्र का अपना एक विशेष पाठक वर्ग भी होता है उसके अनुसार समाचारों का चयन होता हैं ।

- **संघर्ष**

लोगों की रूचि यद्ध , संघर्ष, चुनावी हार-जीत, खेल के परिणाम आदि में होती है, इसीलिए लोग यह सब काफ़ी ध्यान से सुनते है।

- **महत्वपूर्ण लोग**

लोग अपने समय के महत्वपूर्ण और जाने माने लोगों के बारे में जानने के इच्छुक होते है। जैसे किसी क्रिकेटर की शादी भी हो जाए तो लोग उसको बहुत रूचि से देखते है।

- **उपयोगि जानकारियां**

लोगों की रूचि बिजली के आने जाने, मौसम तथा स्कूलों के खुलने बंद होने की जानकारी में भी होती है। अतः यह जानकारी भी समाचार पत्र में होनी चाहिए।

- **अनोखापन**

अनोखपन विविध नये और अद्भुत समाचारों को जन्म देता है जैसे किसी विचित्र बच्चे का जन्म, लोग ऐसे समाचारों में रूचि रखते है।

- **नीतिगत ढांचा**

आजक़ल समाचार पत्र किसी न किसी समाचार संगठन द्वारा चलाए जाते है। वे अपनी संपादकीय नीति के बल पर ही समाचारों का चयन करते है। जो समाचार उनकी नीतियों के अनुकूल होते है, उन्हे प्रमुखता से छापते है।

समाचार लेखन के कुछ अवधारणाएँ

- समाचार लेखन के मुख्य लोग- समाचार एकत्र करने वाले सवादाता और उन्हे छापने वाले संपादक मंडल|
- समाचार लिखने की शैली को उल्टा पिरामिड शैली कहते है, जिसके अंतर्गत सबसे महत्वपूर्ण बात सबसे पहले लिखी जाती है।
- समाचार लेखन के 6 ककार - क्या,कब,कहाँ,कौन,कैसे, क्यों हैं ।
- समाचार लेखन के तीन अंग- शीर्षक, मुखड़ा,निकाय है ।

समाचार लेखन की विशेषताएं

- इनमें स्थायित्व होता है।
- इन्हें धीरे-धीरे पढ़ सकते है।
- एक समाचार को अनेक बार किसी भी क्रम से पढ़ा जा सकता है ।
- इसकी भाषा अनुशासित तथा शुद्ध होती है।

इंटरनेट

- आज कंप्यूटर की सहायता से इंटरनेट यानी विश्वव्यापी अंतर्जाल पर समाचार प्रकशित किए जाते है।
- पत्रकारिता के अंतर्गत जो जो काम किए जाते है, वे सब इंटरनेट के माध्यम से भी किए जाते है।
- इसी को इंटरनेट पत्रकारिता, ऑनलाइन पत्रकारिता, साइबर पत्रकारिता या वेब पत्रकारिता कहते है।

इंटरनेट के कुछ अवधारणाएँ

- हिन्दी वेबज़गत की सहायक पत्रिकाएँ- अनुभूति, अभिव्यक्ति, हिन्दी नेस्ट, सराय हैं ।
- वेबसाइट पर विशुद्ध पत्रकारिता तहलका डॉटकॉम ने शुरू किया ।

- भारत में वेबसाइट जो नियमित रूप से अपडेट होती हैं- हिंदू, टाइम्स ऑफ इंडिया, आउटलुक, इंडियन एक्सप्रेस, एन.डी.टी .वी, आजतक, ज़ी न्यूज़ हैं ।
- भारत के समाचार पत्र जो इंटरनेट पर उपलब्ध है- टाइम्स ऑफ़ इंडिया, हिन्दुस्तान टाइम्स, इंडियन एक्सप्रेस, हिंदू, स्टेटस्मेन,ट्रिब्यून, आजतक, आउटलुक, ओई.बि.एन, एन.डी.टी .वी हैं ।

इंटरनेट की विशेषताएं

- इंटरनेट पत्रकारिता में मुद्रण पत्रकारिता, रेडियो पत्रकारिता तथा टेलीविज़न पत्रकारिता- तीनों का संगम है।
- इसमें शब्द, ध्वनि और दृश्य तीनों का प्रयोग होता है।
- इसकी सबसे विशिष्ट योग्यता यह है कि इसपर प्रसारित समाचार हर दो घंटे के बाद अपडेट होते है।

धन्यवाद!